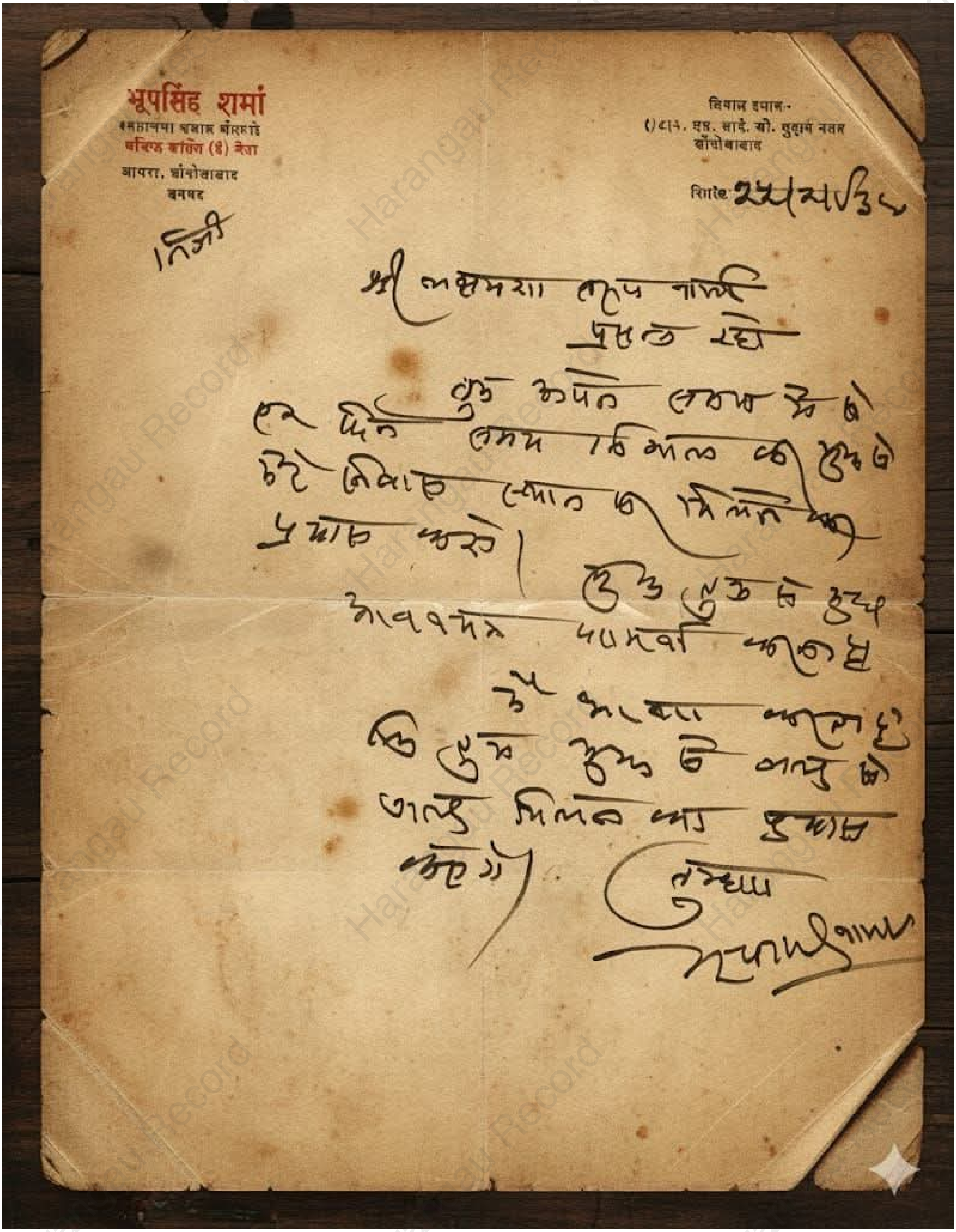

भूपसिंह शर्मा

[illegible]

[illegible] (ई) [illegible]

आपरा, [illegible]

बनपद

[illegible]

[illegible]

तिथि: [illegible]

निजी

श्री [illegible]

[illegible]

[illegible]

तुम्हारा

[illegible]

25 नवंबर 2023 पब्लिक एशिया
दैनिक समाचार पत्र

समाज सेवा के प्रतिमूर्ति थे लक्ष्मणस्वरूप तिवारी

पब्लिक एशिया ब्यूरो

अलीगढ़। लक्ष्मणस्वरूप तिवारी (5 जनवरी 1928 - 8 जून 2014) का जन्म ग्राम- हिरनगऊ तहसील फिरोजाबाद जनपद आगरा (वर्तमान राजस्व ग्राम- हिरनगाँव जनपद फिरोजाबाद) यूनाइटेड प्रोविंसेज ऑफ आगरा और अवध (वर्तमान -उत्तर प्रदेश) मैं दिन बृहस्पतिवार को एक जमींदार ब्राह्मण परिवार में हुआ था। पिता का नाम श्रीराम तिवारी व माता का नाम श्यामा देवी तिवारी था भाई का नाम परमेश्वर दयाल तिवारी था इनकी चार बहने थी कैलाशी, कांतीदेवी उर्फ कन्तो , शांतिदेवी उर्फसंतो, रामवती तिवारी था। इनकी लंबाई 5 फुट 7 इंच थी। इनकी प्रारंभिक शिक्षा ग्राम के ही प्राथमिक विद्यालय में हुई ग्राम की पाठशाला मैं बालक पंजिका अभिलेखों में क्रम संख्या 608 पर नाम एवं जन्मतिथि अंकित है 23 मई 1939 को ग्राम की पाठशाला से इनका नाम कट गया इन्होंने हाई स्कूल तक शिक्षा प्राप्त की। परमपिता परमेश्वर की असीम अनुकंपा एवं पूर्वजों के आशीर्वाद से इनका प्रथम विवाह ग्राम कूकरा पोस्ट सहपऊ जिला धौलपुर राजस्थान से किरनदेवी के साथ संपन्न हुआ कुछ समय बाद पुत्र जन्म के समय इनकी धर्मपत्नी का आगरा, हॉस्पिटल में देहांत हो गया इसके बाद यह बहुत दुखी हुए और कुछ समय व्यतीत हो जाने के बाद इनके परिवार के व्यक्तियों ने इनको समझाया और इनका विवाह पुनः दुबारा करवा दिया।

परमपिता परमेश्वर की असीम अनुकंपा एवं पूर्वजों के आशीर्वाद से इनका दूसरा विवाह ग्राम वेरीचाहर जिला आगरा से राजकुमारी लवानिया के साथ संपन्न हुआ इनको चार पुत्र रत्न प्राप्त हुए पुत्रों के नाम ऋषिकेश तिवारी, राकेश तिवारी, प्रेमस्वरूप तिवारी, बसंत कुमार तिवारी एवं पुत्री का नाम राधा तिवारी, रख दिया।इन्होंने अपने पिता की प्रतिष्ठा को बरकरार बनाए रखा इनकी नियुक्ति सन 11 अप्रैल 1953 में लेखपाल पद (पटवारी) पर हुई थी यह सरकारी सेवा के राजस्व विभाग में सेवारत रहे और उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन तहसील फिरोजाबाद के अंतर्गत लेखपाल पद पर रहते हुए ग्रामीण जनता की सेवा की और यह तहसील फिरोजाबाद जिला आगरा में लेखपाल संघ (कर्मचारी यूनियन) के अध्यक्ष भी रहे लेखपाल पद से कानूनगो पद पर उनकी पदोन्नति हो गई और इनका स्थानांतरण अन्य जिले में कर दिया गया अपने क्षेत्र की जनता की सेवा करने के वास्ते इन्होंने पदोन्नति लेने से इनकार कर दिया 31 जनवरी 1986 को तहसील फिरोजाबाद से लेखपाल पद से सेवानिवृत्त हो गए सेवानिवृत्त के समय ग्राम उसायनी मैं लेखपाल पद पर तैनात थे 01 फरवरी 1986 से इनकी पेंशन प्रारंभ की गई। जे0 बी0 इंटर कॉलेज अलीनगर केंजरा मैं अध्यक्ष पद पर आसीन रहे बाद में इनके द्वारा अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया 6 जून 1988 को हिरनगांव ग्राम पंचायत के प्रधान के निर्वाचन के लिए उम्मीदवार नाम निर्देशन पत्र निर्वाचन अधिकारी कार्यालय मैं समय 12रू15 पर उम्मीदवार पद हेतु आवेदन किया ग्राम के विकास हेतु ग्राम में मंदिर पुस्तकालय निर्माण हेतु मंदिर-पुस्तकालय निर्मात्री समिति हरनगऊ का गठन किया गया। 31 दिसंबर 2001 को इनकी पत्नी राजकुमारी तिवारी का देहांत ग्राम व पोस्ट हिरनगांव जिला फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश मैं हो गया परंतु इनका दाह संस्कार हिंदू रीति रिवाज से दिनांक 1 जनवरी 2002 को सोरों में किया गया। क्योंकि इनकी धर्मपत्नी की इच्छा थी कि मेरा दाह संस्कार गंगा के घाट पर किया जाए अपनी धर्मपत्नी की इच्छा को ध्यान में रखते हुए इन्होंने धर्मपत्नी की इच्छा को पूर्ण किया और अपना पति धर्म निभाया पत्नी का देहांत हो जाने के बाद बड़े दुखी रहने लगे,यह विधि का विधान था। परमपिता परमेश्वर की विशेष प्रेरणा से अनवरत एकादशी उपवास रखने के उपरांत एकादशी उद्यापन के शुभ अवसर पर अपने निज निवास हिरनगांव में दिनांक 16 मार्च 2011 दिन बुधवार को अखंडरामायण पाठ व 17 मार्च 2011 दिन बृहस्पतिवार को प्रीतिभोज का आयोजन किया गया, लक्ष्मण स्वरूप तिवारी की मृत्यु दिनांक 8 जून 2014 को गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल (जीव बीव पंत हॉस्पिटल) दिल्ली में हुई थी इन्होंने अपना जीवनकाल 86 वर्ष 5 माह 3 दिन का जीवनकाल जिया इनका दाह संस्कार इनकी जन्म भूमि ग्राम हिरनगाँव जिला फिरोजाबाद में हुआ ।

ों को प्रकाशित करने वाला राष्ट्रीय समाचार-पत्र

इम मेल

RNI No. : UPHIN/2009/29064
डाक पंजीकरण/एसएलजी/116/2023-25

सेवा में श्रीमान,

ट्रीय समाचार पत्र
हिन्दी साप्ताहिक

शुक्रवार 22 दिसंबर 2023
पृष्ठ :4
मूल्य : 2:00 रुपये

सीखे इनसे जीवन जीने की राह... लक्ष्मणस्वरूप तिवारी की जीवनी

पंडित लक्ष्मण स्वरुप तिवारी
(05.01.1928 - 08.06.2014)

क्राइम मेल अलीगढ़ ! रिपोर्ट शैलेन्द्र कुमार वार्ष्णेय / आपने बहुत से महापुरुषों की जीवनी पढ़ी होगी। मगर आज हम आपके लिए एक ऐसी शख्सियत की जीवनी लेकर आये है। जिन्होंने समाज के लिए अच्छे कार्य किये। लक्ष्मणस्वरूप तिवारी (5 जनवरी 1928 - 8 जून 2014) का जन्म ग्राम- हिरनगऊ तहसील फिरोजाबाद जनपद आगरा (वर्तमान राजस्व ग्राम-हिरनगाँव जनपद फिरोजाबाद) यूनाइटेड प्रोविंसेज ऑफ आगरा और अवध (वर्तमान -उत्तर प्रदेश) में दिन बृहस्पतिवार को एक जमींदार ब्राह्मण परिवार में हुआ था। पिता का नाम श्रीराम तिवारी व माता का नाम श्रीमती श्यामा देवी तिवारी था भाई का नाम परमेश्वर दयाल तिवारी था इनकी चार बहने थी कैलाशी, कांतीदेवी उर्फ कन्तो , शांतिदेवी उर्फ संतो, रामवती तिवारी था। इनकी लंबाई 5 फुट 7 इंच थी। इनकी प्रारंभिक शिक्षा ग्राम के ही प्राथमिक विद्यालय में हुई ग्राम की पाठशाला में बालक पंजिका अभिलेखों में क्रम संख्या 608 पर नाम एवं जन्मतिथि अंकित है 23 मई 1939 को ग्राम की पाठशाला से इनका नाम कट गया इन्होंने हाई स्कूल तक शिक्षा प्राप्त की। परमपिता परमेश्वर की असीम अनुकंपा एवं पूर्वजों के आशीर्वाद से इनका प्रथम विवाह ग्राम कूकरा पोस्ट सहपऊ जिला धौलपुर राजस्थान से किरनदेवी के साथ संपन्न हुआ कुछ समय बाद पुत्र जन्म के समय इनकी धर्मपत्नी का आगरा, हॉस्पिटल में देहांत हो गया इसके बाद यह बहुत दुखी हुए और कुछ समय व्यतीत हो जाने के बाद इनके परिवार के व्यक्तियों ने इनको समझाया और इनका विवाह पुनः दुबारा करवा दिया। परमपिता परमेश्वर की असीम अनुकंपा एवं पूर्वजों के आशीर्वाद से इनका दूसरा विवाह ग्राम बेरीचाहर जिला आगरा से राजकुमारी लवानिया के साथ संपन्न हुआ इनको चार पुत्र रत्न प्राप्त हुए पुत्रों के नाम ऋषिकेश तिवारी, राकेश तिवारी, प्रेमस्वरूप तिवारी, बसंत कुमार तिवारी एवं पुत्री का नाम राधा तिवारी, रख दिया।

इन्होंने अपने पिता की प्रतिष्ठा को बरकरार बनाए रखा इनकी नियुक्ति सन 11 अप्रैल 1953 में लेखपाल पद (पटवारी) पर हुई थी यह सरकारी सेवा के राजस्व विभाग में सेवारत रहे और उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन तहसील फिरोजाबाद के अंतर्गत लेखपाल पद पर रहते हुए ग्रामीण जनता की सेवा की और यह तहसील फिरोजाबाद जिला आगरा में लेखपाल संघ (कर्मचारी यूनियन) के अध्यक्ष भी रहे लेखपाल पद से कानूनगो पद पर उनकी पदोन्नति हो गई और इनका स्थानांतरण अन्य जिले में कर दिया गया अपने क्षेत्र की जनता की सेवा करने के वास्ते इन्होंने पदोन्नति लेने से इनकार कर दिया 31 जनवरी 1986 को तहसील फिरोजाबाद से लेखपाल पद से सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्त के समय ग्राम उसायनी में लेखपाल पद पर तैनात थे। 01 फरवरी 1986 से इनकी पेंशन प्रारंभ की गई। जे0 बी0 इंटर कॉलेज अलीनगर केंजरा में अध्यक्ष पद पर आसीन रहे बाद में इनके द्वारा अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया दिनांक 6 जून 1988 को हिरनगांव ग्राम पंचायत के प्रधान के निर्वाचन के लिए उम्मीदवार नाम निर्देशन पत्र निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में समय 12:15 पर उम्मीदवार पद हेतु आवेदन किया ग्राम के विकास हेतु ग्राम में मंदिर पुस्तकालय निर्माण हेतु मंदिर-पुस्तकालय निर्मात्री समिति हरनगऊ का गठन किया गया।

दिनांक 31 दिसंबर 2001 को इनकी पत्नी श्रीमती राजकुमारी तिवारी का देहांत ग्राम व पोस्ट हिरनगांव जिला फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश में हो गया परंतु इनका दाह संस्कार हिंदू रीति रिवाज से दिनांक 1 जनवरी 2002 को सोरों में किया गया। क्योंकि इनकी धर्मपत्नी की इच्छा थी कि मेरा दाह संस्कार गंगा के घाट पर किया जाए अपनी धर्मपत्नी की इच्छा को ध्यान में रखते हुए इन्होंने धर्मपत्नी की इच्छा को पूर्ण किया और अपना पति धर्म निभाया पत्नी का देहांत हो जाने के बाद बड़े दुखी रहने लगे,यह विधि का विधान था। परमपिता परमेश्वर की विशेष प्रेरणा से अनवरत एकादशी उपवास रखने के उपरांत एकादशी उद्यापन के शुभ अवसर पर अपने निज निवास हिरनगांव में दिनांक 16 मार्च 2011 दिन बुधवार को अखंडरामायण पाठ व 17 मार्च 2011 दिन बृहस्पतिवार को प्रीतिभोज का आयोजन किया गया, लक्ष्मण स्वरूप तिवारी की मृत्यु दिनांक 8 जून 2014 को गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल (जी० बी० पंत हॉस्पिटल) दिल्ली में हुई थी इन्होंने अपना जीवनकाल 86 वर्ष 5 माह 3 दिन का जीवनकाल जिया इनका दाह संस्कार इनकी जन्म भूमि ग्राम हिरनगाँव जिला फ़िरोज़ाबाद में हुआ।

25 नवंबर 2023 शहीदी दरिया
दैनिक समाचार पत्र

समाज सेवा के प्रतिमूर्ति थे:लक्ष्मणस्वरूप तिवारी

अलीगढ,24 नवम्बर (संवाददाता)। लक्ष्मण स्वरूप तिवारी (5 जनवरी 1928 – 8 जून 2014) का जन्म ग्राम–हिरनगऊ तहसील फिरोजाबाद जनपद आगरा (वर्तमान राजस्व ग्राम–हिरनगाँव जनपद फिरोजाबाद) यूनाइटेड प्रोविंसेज ऑफ आगरा और अवध (वर्तमान –उत्तर प्रदेश) मैं दिन बृहस्पतिवार को एक जमींदार ब्राह्मण परिवार में हुआ था। पिता का नाम श्रीराम तिवारी व माता का नाम श्यामा देवी तिवारी था भाई का नाम परमेश्वर दयाल तिवारी था इनकी चार बहने थी कैलाशी, कांतीदेवी उर्फ कंन्तो शांतिदेवी उर्फ संतो, रामवती तिवारी था। इनकी प्रारंभिक शिक्षा ग्राम के ही प्राथमिक विद्यालय में हुई 23 मई 1939 को ग्राम की पाठशाला से इनका नाम कटने के बाद हाई स्कूल तक शिक्षा प्राप्त की। इनका प्रथम विवाह ग्राम कूकरा पोस्ट सहपऊ जिला धौलपुर राजस्थान से किरनदेवी के साथ संपन्न हुआ कुछ समय बाद पुत्र जन्म के समय इनकी धर्मपत्नी का आगरा, हॉस्पिटल में देहांत हो गया इसके बाद यह बहुत दुखी हुए और परिवार के व्यक्तियों ने इनको समझाने पर उन्होने पुनः विवाह कर लिया। इनका दूसरा विवाह ग्राम बेरीचाहर जिला आगरा से राजकुमारी लवानिया के साथ संपन्न हुआ इनको चार पुत्र रत्न प्राप्त हुए पुत्रों के नाम ऋषिकेश तिवारी, राकेश तिवारी, प्रेमस्वरूप तिवारी, बसंत कुमार तिवारी एवं पुत्री का नाम राधा तिवारी, रख दिया। अपने पिता की प्रतिष्ठा को बरकरार बनाए रखा इनकी नियुक्ति सन 11 अप्रैल 1953 में लेखपाल पद (पटवारी) पर हुई थी यह सरकारी सेवा के राजस्व विभाग में सेवारत रहे और उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन तहसील फिरोजाबाद के अंतर्गत लेखपाल पद पर रहते हुए ग्रामीण जनता की सेवा की और यह तहसील फिरोजाबाद जिला आगरा में लेखपाल संघ (कर्मचारी यूनियन) के अध्यक्ष भी रहे लेखपाल पद से कानूनगो पद पर उनकी पदोन्नति हो गई और इनका स्थानांतरण अन्य जिले में कर दिया गया अपने क्षेत्र की जनता की सेवा करने के वास्ते इन्होंने पदोन्नति लेने से इनकार कर दिया 31 जनवरी 1986 को तहसील फिरोजाबाद से लेखपाल पद से सेवानिवृत्त हो गए सेवानिवृत्त के समय ग्राम उसायनी मैं लेखपाल पद पर तैनात थे 01 फरवरी 1986 से इनकी पेंशन प्रारंभ की गई। जे0 बी0 इंटर कॉलेज अलीनगर केंजरा मैं अध्यक्ष पद पर आसीन रहे बाद में इनके द्वारा अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया 6 जून 1988 को हिरनगांव ग्राम पंचायत के प्रधान के निर्वाचन के लिए उम्मीदवार नाम निर्देशन पत्र निर्वाचन अधिकारी कार्यालय मैं समय 12:15 पर उम्मीदवार पद हेतु आवेदन किया ग्राम के विकास हेतु ग्राम मेंमंदिर पुस्तकालय निर्माण हेतु मंदिर–पुस्तकालय निर्मात्री समिति हरनगऊ का गठन किया गया।